अध्याय–1

विशेष उपलब्धियाँ

1.4.2004 से 31.12.2004

संक्षिप्त परिदृष्य

- इस्पात उद्योग में सामान्यतः सुधार है, इस्पात की मांग, विशेषकर चीन में अच्छी वृद्धि के कारण।
- आज भारत विश्व में अपरिष्कृत इस्पात के उत्पादन में आठवें स्थान पर है।
- इस वर्ष परिष्कृत कार्बन इस्पात का उत्पादन 28.3 लाख टन (लगभग) हुआ जो पिछले वर्ष के इसी कालावधि से 3.8 प्रतिशत अधिक है।
- इसी कालावधि में (अप्रैल से दिस. 2004) कच्चे लोहे का व्यापारिक उत्पादन 2.1 लाख टन हुआ जो वर्ष 2003–04 के समान कालावधि के उत्पादन की तुलना में 28.5 प्रतिशत कम है। द्वितीयक उत्पादक की अधिकतर मात्रा में व्यापारिक कच्चे लोहे के उत्पादन के लिए उत्तरदायी हैं।
- परिवहन कार्बन इस्पात के निर्यात की कुल मात्रा इस वर्ष (अप्रैल से दिस. 2004) लगभग 2.65 लाख टन रही जो पिछले वर्ष की समान कालावधि के निर्यात से 18.3 प्रतिशत कम है।
- परिष्कृत कार्बन इस्पात की प्रकट खपत इस वर्ष (अप्रैल से सि0 2004) पिछले वर्ष की समान कालावधि से 5.7 प्रतिशत बढ़कर लगभग 24.90 लाख तक पहुँच गई।
- भारत विश्व में स्पंज लोहे का सबसे बड़ा उत्पादक है। 2004–05 के दौरान देश में स्पंज लोहे की अनुमानित क्षमता 12 मिलियन टन तक पहुंच जाने की उम्मीद है। अप्रैल–दिसंबर '04 के दौरान कुल उत्पादन 7.20 मिलियन टन अनुमानित है।
- उपभोक्ताओं की शिकायतों को संबोधित करने हेतु अठारहवें एवम् उन्नीसवें इस्पात उपभोक्ता परिषद की बैठक इस्पात मंत्री की अध्यक्षता में नई दिल्ली एवम् मुम्बई में क्रमशः जून एवम् दिसंबर 2004 में हुई।
- मंत्रालय एवम् इससे संबंधित पब्लिक सेक्टर में हिन्दी के प्रयोग को व्यापक प्रोत्साहन दिया गया। सारे पब्लिक सेक्टरों में 'इस्पात राजभाषा शील्ड' (प्रथम पुरस्कार), 'इस्पात राजभाषा ट्रॉफी (द्वितीय एवम् तृतीय पुरस्कार), इस्पात राजभाषा शील्ड वैसे पब्लिक सेक्टरों के लिए जो 'सी' क्षेत्र में स्थित हों, जैसे पुरस्कारों की घोषणा की गई। इस योजना के तहत हिन्दी में इस्पात या उससे जुड़े विषयों पर किताब लिखने वाले लेखकों को क्रमशः 15000 रूपये, 10,000 रूपये, 1500 रूपये की नकद राशि से पुरस्कृत किया जाता है। 2002–03 वर्ष का पुरस्कार पहले ही दिया जा चुका है। वर्ष 2003.04 के लिए आए नामों पर विचार किया जा रहा है। वर्ष 2004–05 के पुरस्कारों के लिए नाम 31 मार्च 2005 के बाद निमंत्रित किए जाएंगे।
- रिसर्च एवम् डेवलपमेंट (आर एण्ड डी) संबंधित विषयों पर दिशा निर्देश करने हेतू एवम् उससे संबंधित योजनाओं को इस्पात विकास कोष की मदद से संस्तुत/संशोधित करने हेतु सचिव (इस्पात) की अध्यक्षता में गठित संबंधित

सेल, कॉरपोरेट आफिस, नई दिल्ली

उच्चाधिकार प्राप्त समिति की बैठक 1998 से अब तक बारह बार हो चुकी है। इसने 36 रिसर्च एवम् डेवलपमेंट योजनाओं, जिनकी लागत 218.04 करोड़ है, को संस्तुत किया। इनमें से 99.50 करोड़ इस्पात विकास कोष (SDF) से है। अब तक 79.89 करोड़ रूपये शोध, प्रयोगशाला/ संस्था/ इस्पात प्लांट जैसे शोध विकास कार्यों में खर्च किया जा चुका है।

विशाखापतनम इस्पात संयंत्र – थर्मल पॉवर प्लांट

इस्पात मंत्रालय के अधीन वृहत सार्वजनिक उद्यम

भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड (सेल)

- 2004–05 के दौरान (दिसंबर तक) सेल ने 8.93 मिलियन टन गर्म धातु का उत्पादन किया, जबकि विगत वित्तीय वर्ष में यह 12.75 मिलियन टन था।
- 2004–05 के दौरान (दिसंबर तक) सेल ने 8.59 मिलियन टन उपरिष्कृत लोहे का उत्पादन किया जबकि विगत वित्तीय वर्ष में यह 11.83 मिलियन टन था।
- 2004–05 के दौरान (दिसंबर तक) सेल ने 7.70 मिलियन टन बिक्री योग्य इस्पात का उत्पादन किया जबकि विगत वित्तीय वर्ष में यह 10.83 मिलियन टन था।
- 2004–05 के दौरान (दिसंबर तक) सेल की बिक्री 21578 करोड़ रूपए हुई, जबकि विगत वित्तीय वर्ष में यह 24178 करोड़ रूपए थी। कम्पनी का कुल मुनाफा 7030 करोड़ रूपए था, जबकि विगत वित्तीय वर्ष में यह 4650 करोड़ रूपए था। इस समयावधि में कर पूर्व लाभ 5739 करोड़ हुआ, जबकि 2003–04 में यह 2628 करोड़ रूपए था।

राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड

- राष्ट्रीय इस्पात निगम, विशाखापत्तनम इस्पात संयंत्र शून्य ऋण वाली कम्पनी बन गई है। कम्पनी ने दिसंबर 2004 तक कर पूर्व शुद्ध अंनतिम लाभ 1562 करोड़ रूपए था।
- वर्तमान वित्तीय वर्ष (2004–05) के अप्रैल–दिसंबर के दौरान, विशाखापत्तनम इस्पात संयंत्र की बिक्री 5475 करोड़ रूपए तक पहुंच गई जोकि विगम वर्ष के इसी समयावधि के सापेक्ष 26 प्रतिशत वृद्धि दर दर्ज करता है। इसमें घरेलू बाजार में बिक्री जबकि 5377 करोड़ रूपए हुई, निर्यात के मद में 98 करोड़ रूपए आए।

एम.एस.टी.सी. लिमिटेड

- वर्तमान वित्तीय वर्ष दिसंबर 2004 तक एमएसटीसी का कुल व्यापार आयतन 4568 करोड़ रूपए हुआ जबकि विगत वित्तीय वर्ष में यह 4165 करोड़ रूपए था।
- अप्रैल–दिसंबर 2004 के दौरान एमएसटीसी का कारोबार 3823 करोड़ रूपए था, जबकि विगम वित्तीय वर्ष में यह 3344.02 करोड़ रूपए था।
- अप्रैल–दिसंबर 2004 में कम्पनी का लाभ कर पूर्व 39.44 करोड़ रूपए था, जबकि विगम वित्तीय वर्ष में यह 33.69 करोड़ रूपए था।

मैंगनीज अयस्क (इंडिया) लिमिटेड

- 2004–05 (दिसंबर तक) के दौरान मॉयल ने कर पूर्व 85.25 करोड़ रूपए का लाभ कमाया, जबकि विगत वित्तीय वर्ष में यह 45.29 करोड़ रूपए था।
- 2004–05 (दिसंबर तक) के दौरान मॉयल ने 674.28 टन मैंगनीज अयस्क का उत्पादन किया जबकि विगत वित्तीय वर्ष में यह 799.00 टन था।

- 2004–05 (दिसंबर तक) मॉयल का कारोबार 234.83 करोड़ रूपए हुआ जो विगत वित्तीय वर्ष में 228.74 करोड़ रूपए था।

कुद्रेमुख लौह–अयस्क कम्पनी लिमिटेड

- दिसंबर 2004 तक अब तक का रिकार्ड कारोबार 1255.67 करोड़ रूपए दर्ज किया, जबकि पूरे 2003–04 में यह 1029.38 करोड़ रूपए था।
- दिसंबर 2004 तक कर भुगतान के बाद का सर्वाधिक मुनाफा जो 372.17 करोड़ रूपए था, जबकि विगत 2003–04 में यह 300.70 करोड़ रूपए था।
- दिसंबर 2004 तक अब तक का सर्वाधिक मात्रा में उत्पादन जो 2.862 मिलियन टन पेलेट्स का हुआ (उच्च कोटि के पेलेट सहित)
- दिसंबर 2004 तक अब तक का सर्वाधिक मात्रा में निर्यात जो 2.889 मिलियन टन का हुआ (उच्च कोटि के पेलेट सहित)

नेशनल मिनरल डेवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड

- 2004–05 (दिसंबर तक) के दौरान एनएमडीसी ने 14.10 मिलियन टन लौह–अयस्क का उत्पादन किया जबकि विगत वित्तीय वर्ष में यह 17.96 मिलियन टन था। इसी समयावधि के दौरान हीरा उत्पादन 53401 केरेट्स था, जबकि 2003–04 में यह 71163 केरेट्स हुआ।
- 2004–05 (दिसंबर तक) के दौरान एनएमडीसी की बिक्री 1513.92 करोड़ रूपए की हुई, जबकि विगत वित्तीय वर्ष में यह 1532.02 करोड़ रूपए की हुई।
- 2004–05 (दिसंबर तक) के दौरान एनएमडीसी का कर पूर्व लाभ 753.93 करोड़ रूपए का हुआ, जबकि विगत वित्तीय वर्ष में यह 616.02 करोड़ रूपए का हुआ।

स्पॉज आयरन इंडिया लिमिटेड

- 2004–05 (दिसंबर तक) के दौरान 42,821 टन का उत्पादन हुआ जो कुल क्षमता उपयोग का 95 प्रतिशत था।
- 2004–05 (दिसंबर तक) के दौरान प्रति टन स्पॉज आयरन की औसत बिक्री प्राप्ति 10,520 रूपए की हुई, जबकि विगत वित्तीय वर्ष में यह 7,955 रूपए की हुई।
- 2004–05 (दिसंबर तक) के दौरान बिक्री कारोबार 44.34 करोड़ रूपए का हुआ जबकि विगत वर्ष की इसी कालावधि के सापेक्ष यह 40.60 करोड़ रूपए था।

31.12.04 तक परिचालन लाभ 15०12 करोड़ रूपए था जो विगत वर्ष के इसी कालावधि के सापेक्ष करीब 20.5 प्रतिशत ज्यादा था (14.44 करोड़ रूपए)।

भारत रेफ्रेक्ट्रीज लिमिटेड

- कम्पनी ने अपासी समझौता आशय पत्र का लक्ष्य उत्पादन और निर्यात दोनों में ही प्राप्त कर लिया।
- दिसंबर 2004 तक कम्पनी का मासिक शुद्ध बिक्री 1321.42 लाख रूपए का रहा जो कम्पनी का स्थापना काल से सर्वाधिक हैं
- कम्पनी की सभी चार इकाईयों ने गैर योजना ऋण जो 5500.00 लाख रूपए का था, पर बिना व्याज का विचार किए शुद्ध लाभ कमाए।

मीकॉन लिमिटेड

- कम्पनी ने चुनौतीपूर्ण जिम्मेदारी, जो मीकॉन के कंसल्टेंसी, डिजाइनिंग, इंजीनियरिंग में सफलतापूर्वक कार्यान्वित किया और पहली बार मेसर्स जिंदल विजयनगर इस्पात लिमिटेड (जेवीएसएल) कर्नाटक में 1250m^3 धमन–भट्टी सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया।
- मीकॉन, मेसर्स साउथ बेसिक केमिकल्स कम्पनी लिमिटेड (एसबीसीसी) वियतनाम द्वारा तानबिन्ह स्थित अल्युमीनियम हाइड्रोक्साइड संयंत्र के आधुनिकीकरण के लिए स्थापित किया गया। इसके जिम्मे वर्तमान संयंत्र का अध्ययन, बुनियादी अभियंत्रण, विस्तृत अभियंत्रण, उपकरण प्राप्ति में सहायता देना, निर्माण, जॉंच, अवतरण,संयंत्र की पूर्ण रूप से चालू होने के पूर्व के मानक जॉंच और निष्पादन गारंटी जॉंच शामिल था। उपरोक्त जिम्मेदारी को पूरा करने के लिए इसे कुल 9 महीने का समय दिया गया था।

इस्पात मंत्रालय का संगठनात्मक चार्ट

(03.12.2004 की स्थिति के अनुसार)

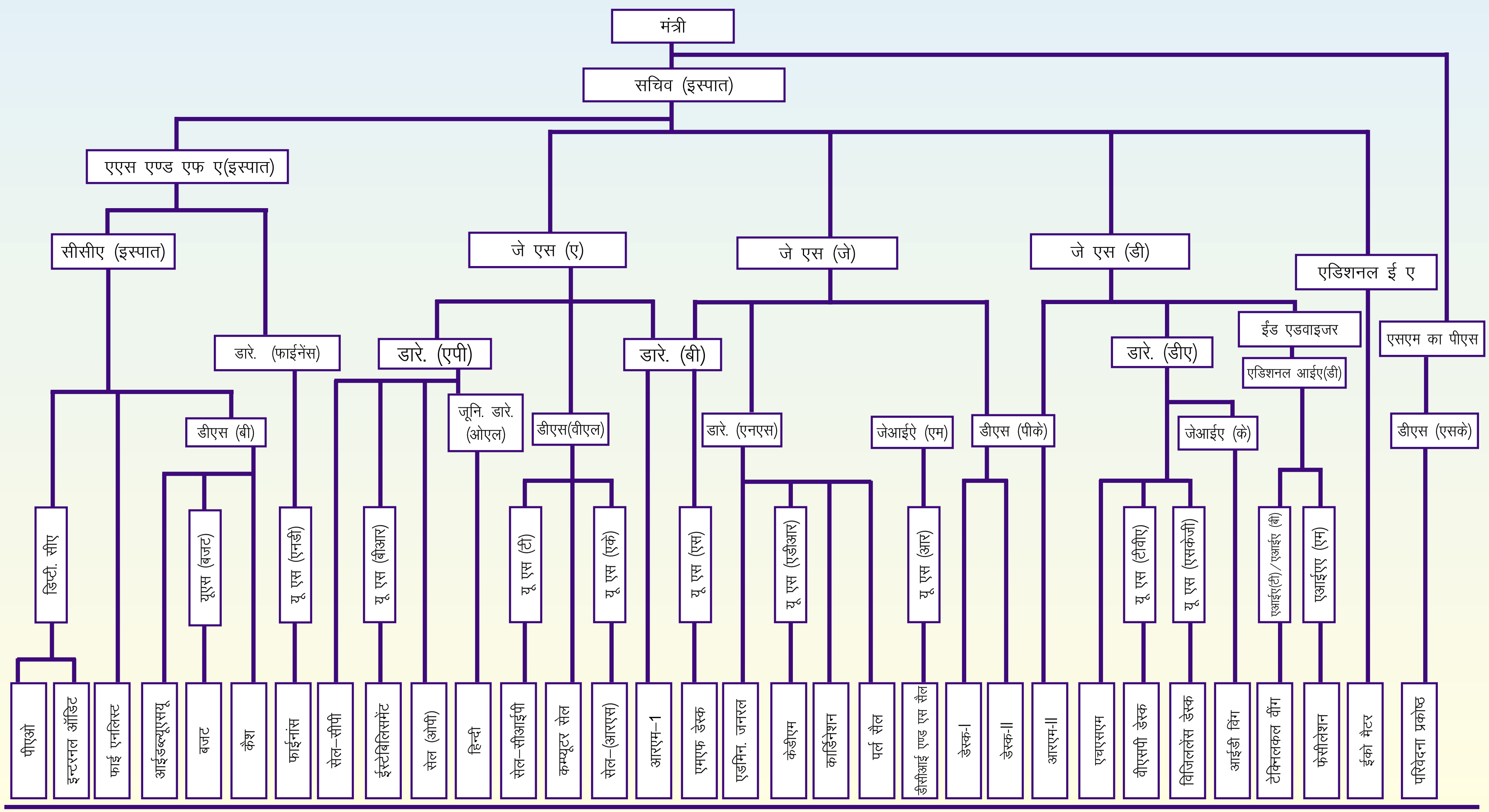

पर्सनल एंड ट्रेनिंग डिपार्टमेंट के रिटेनिंग और रिडिप्लायमेंट विभाग द्वारा जारी विस्तृत निर्देशानुसार शर्तों में आवश्यक प्रक्रिया अनुसरण किया गया था। डीओपीटी के दिशा निर्देश के अनुसार सभी अधिशेष कर्मचारी अपनावेतन तब तक लेते रहेंगे जब तक वे पुनः दूसरे पद पर तैनाती न कर दिए जाए या फिर पेंशन हेतू कार्यालय न छोड़ दें, पद न त्याग दें, या स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति न ले लें। डीसीआई एण्ड एस की बंदी के समय संस्था की कुल संख्यात्मक शक्ति 226 थी। इनमें से :

- 215 कर्मचारी, डीसीआई एण्ड एस संस्था के, अधिशेष घोषित किए गए एवं पुनः तैनाती के लिए डीपीटी के मुखापेयी हैं।
- 10 कर्मचारी अभी भी डीपीटी के द्वारा अधिशेष घोषित होने हैं।
- संस्था के 87 अधिशेष कर्मचारी भारत सरकार के विविध कार्यालयों में डीपीटी द्वारा नामांकित/पुनः तैनात किए गए हैं।

  8 अधिशेष कर्मचारियों ने डीपीटी के विशिष्ट स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति स्कीम के तहत स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ली है।
- 11 अधिशेष कर्मचारियों ने सेवानिवृत्ति की वजह से कार्यालय छोड़ा

इस्पात मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अंतर्गत सार्वजनिक लोक उद्यमों की सूची

	कंपनी का नाम	प्रशाखाएं
1.	स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लि. इस्पात भवन, लोधी रोड, नई दिल्ली–110003	इंडियन आयरन एण्ड स्टी कंपनी लिमिटेड बर्नपुर, जिला बर्दवान, पश्चिम बंगाल – 713325 इस्को उज्जैन पाइप एण्ड फाउंड्री लिमिटेड 50, चौरंगी रोड, कोलकाता–700701 (इस्को की सहायक इकाई लिक्विडेयन के अंतगर्त) वश्विश्वरैया आयरन एण्ड स्टील लिमिटेड भद्रावती, कर्नाटक–577301 महाराष्ट्र इलेक्ट्रोस्मेल्ट लिमिटेड मल रोड, चन्द्रपुर–442401, महाराष्ट्र (सेल की सहायक इकाई)
2.	राष्ट्रीय इस्पात निगम लि. एडमिनिस्ट्रेटिव बिल्डिंग विशाखापत्तनम–530031, आंध्र प्रदेश	
3.	मीकॉन लि., मीकॉन बिल्डिंग रांची–834002, झारखंड	
4.	कुद्रेमुख आयरन ओर कंपनी लि. II ब्लाक, कोरमंगल, बंगलोर–560034, कर्नाटक	
5.	नेशनल मिनरल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लि. खनिज भवन, 10–3–31/ए, कैसल हिल्स, हैदराबाद–500 028, आंध्रप्रदेश	जे एण्ड के मिनरल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन 19/9, त्रिकुट नगर, जम्मू–180012 जम्मू एण्ड कश्मीर (एनएमडीसी की सहायक इकाई)
6	हिन्दुस्तान स्टील वर्क्स कंसट्रक्शन लि. नं0–1, सेक्सपियर सारनी, आठवां तल कोलकाता–700 071, पश्चिम बंगाल	
7.	भारत रिफ्रेक्टरीज़ लि. सेक्टर–IV, सेंट्रल एवेन्यू, बोकारो स्टील सिटी बोकरो–827004	
8.	स्पंज आयरन इंडिया लि. खनिज भवन, 10–3–311/ए कैसल हिल्स हैदराबाद–500023, आंध्रप्रदेश	
9.	एमएमटीसी लि. 225-F, आचार्य जगदीश बोस रोड कोलकाता–700 020	फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड एफएसएनएल भवन, पोस्ट बैग नं0 37 इक्विपमेंट चौक सेंट्रल एवेन्यु, भिलाई–490001, मध्य प्रदेश (एमएसटीसी की सहायक)
10.	मैंगनीज ओर इंडिया लि. 3 माऊंट रोड एक्सटेंशन, पोस्ट बैग नं0–34 नागपुर–440001, महाराष्ट्र	